दिनांक– 19.06.2013 को विशेष सचिव की अध्यक्षता में सम्पन्न मुख्य अभियंता, हजारीबाग प्रक्षेत्राधीन योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की कार्यवाही।

बैठक में उपस्थित पदाधिकरियों की उपस्थिति परिशिष्ट–I में संलग्न है।

1. **जलपथ प्रमण्डल, बरही** (जिला–कोडरमा, प्रखण्ड –मरकच्चो)

I. पंचखेरो जलाशय योजना (जिला–गिरिडीह, प्रखण्ड –राजधनवार)

- प्रशासनिक स्वीकृति की राशि – रू0 7568.87 लाख (दि0– 07.08.2007)
- मार्च 2012 तक व्यय – रू0 5931.94 लाख
- वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन – रू0 816.282 लाख
- मार्च 2013 तक व्यय – रू0 701.766 लाख
- स्पिलवे निर्मित, रिभर क्लोजर सहित बाँध निर्मित।
- योजना का रूपांकित सिंचाई क्षमता : खरीफ 2548 हे०, रब्बी 537 हे०

कार्य की प्रगति –	निदेश :–
(i) River Closure का कार्य लगभग पूरा हो गया है। Dam Top Level तक मिट्टी कार्य पूर्ण हो गया है। Rock toe एवं Rip-rap का कार्य 60% से अधिक हो गया है। यह कार्य 15 जुलाई 2013 तक पूरा हो जायेगा।	(i) River closure का मिट्टी कार्य पूर्ण। Rock-Toe, Rip-Rap, Toe drain एवं Turfing कार्य 15 जुलाई 2013 तक पूर्ण कराया जाय। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज० सं० वि०, हजारीबाग)**
(ii) स्पिल चैनेल की निविदा का निष्पादन हो गया है। इस कार्य को प्रारम्भ करा दिया गया है।	(ii) Spill Channel का कार्य 15 जुलाई 2013 तक हर हालत में पूर्ण कराया जाय। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज० सं० वि०, हजारीबाग)**
(iii) Ramp के निर्माण में ग्रामीणों द्वारा भू–अर्जन मुआवजा भुगतान लम्बित रहने के कारण अवरोध पैदा किया जा रहा है। ग्रामीणों को समझा बुझाकर अवरोध दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी द्वारा बतलाया गया कि अवशेष भू–अर्जन मुआवजा का भुगतान 30 जून 2013 तक पूर्ण कर लिया जायेगा।	(iii) गैर मजरूआ भूमि के रैयतीकरण मामले का शीघ्र निष्पादन करने हेतु मुख्य अभियंता, हजारीबाग एवं विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी उपायुक्त, गिरिडीह एवं उपायुक्त, कोडरमा से सम्पर्क करेंगे। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज० सं० वि०, हजारीबाग / विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी, हजारीबाग)**
(iv) बाँध निर्माण स्थल पर ग्रामिणों द्वारा विस्थापितों की सूची में और लोगों का नाम जोड़ने तथा गैर मजरूआ जमीन के रैयतीकरण की माँग की जा रही है। विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि भूमि का विस्तृत प्रतिवेदन उपायुक्त कोडरमा एवं गिरिडीह को समर्पित कर दिया गया है। सम्बन्धित अंचलाधिकारी द्वारा	GM Land के रैयतीकरण का मामला अगर एक सप्ताह में नहीं निपटता है तो पुनः उपायुक्त गिरिडीह / कोडरमा को प्रधान सचिव के स्तर से DO letter के माध्यम से

<table>
<tr>
<td>जाँचोपरान्त उपायुक्त को प्रतिवेदित किया जायेगा कि कौन सा गैरमजरूआ रकबा बन्दोबस्त किया गया है और कौन सा नही।

G.M.Land रैयतीकरण मामले के अन्तिम निष्पादन हेतु प्रधान सचिव द्वारा उपायुक्त कोडरमा को दूरभाष पर निदेश दिया गया। साथ ही प्रधान सचिव के स्तर से उपायुक्त गिरिडीह एवं उपायुक्त कोडरमा को DO Leter भेजा गया है। योजनान्तर्गत गिरिडीह जिला में 258.50 एकड़ तथा कोडरमा जिला में 331 एकड़ G.M.Land के रैयतीकरण का मामला है।

➢ <u>बाँयीं मुख्य नहर</u> की लम्बाई : 7.35 कि0मी0। लगभग 85% कार्य हुआ है। बाँयीं मुख्य नहर के Initial reach में Aqueduct का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह कार्य पूर्ण होने के पश्चात RMC में 137 चेन (4.17 कि०मी०) तक पानी चला जायेगा।
➢ <u>दाँयी मुख्य नहर</u> (RMC) की लम्बाई : 3.25 कि0मी0। लगभग 87% कार्य हुआ है। 2.50 कि०मी० की लम्बाई में कार्य हर प्रकार से पूर्ण हो गया है।
➢ अगले खरीफ में दाँयीं मुख्य नहर से 500 से 700 हेक्टेयर सिंचाई प्रदान की जा सकेगी तथा योजना से कुल मिलाकर 25 से 30 प्रतिशत कमाण्ड क्षेत्र में सिंचाई प्रदान की जा सकेगी।
➢ वित्तीय वर्ष 2013–14 में योजना को हर प्रकार से पूर्ण करने का कार्यक्रम है।
➢ <u>वितरणी प्रणाली</u> – बाँयी एवं दाँयी मुख्य नहर से निःसृत क्रमशः 5 एवं 2 वितरणियों का कार्य अभी प्रारम्भ नहीं हुआ है। इनकी कुल लम्बाई लगभग 18 कि0मी0 है।</td>
<td>निदेशित किया जाय।
(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता(मो०)
(iv) दोनों मुख्य नहर का कार्य हर हाल में 31 दिसम्बर तक पूर्ण कराया जाय।
(v) वितरण प्रणाली के कार्यों की निविदा 31 जुलाई 2013 तक आमंत्रित किया जाय।
(vi) वर्त्तमान खरीफ में योजना से 150 हे० में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाय।
(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज०सं०वि०, हजारीबाग)

(vii) RMC के 11 चेन पर एक्वाडक्ट का कार्य 15 जुलाई 2013 तक पूरा कराया जाय।
(viii) योजना के सभी वितरणी/उप वितरणी/माईनर के भू–अर्जन का कार्य मासिक Work Plan के अनुसार पूरा कराया जाय तथा सभी भू–धारियों को मुआवजा का भुगतान ECS के माध्यम से करना सुनिश्चित किया जाय।
(कार्रवाई :– विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी, हजारीबाग)</td>
</tr>
<tr>
<td colspan="2">निदेश :– मुख्य अभियंता अपने प्रक्षेत्र में प्रत्येक प्रमण्डल के एक अवर प्रमण्डल को CAD के कार्यों हेतु Notify करेंगे और उस अवर प्रमण्डल का कार्य क्षेत्र केवल CAD कार्य के लिए निर्धारित किया जाय। CAD के कार्यों के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय की Website से प्राप्त कर ली जाय।
(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज०सं०वि०, हजारीबाग)</td>
</tr>
</table>

(II) केशो जलाशय योजना (टर्न–की) (जिला–कोडरमा, प्रखण्ड – मरकच्चो)

- संवेदक – विजेता प्रोजेक्ट एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, मोराबादी, राँची।
- प्रशासनिक स्वीकृति की राशि – रू0 6770.90 लाख
- मार्च 2012 तक व्यय – रू0 6661.92 लाख
- वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आंवटन – शून्य
- योजना का सम्पूर्ण कार्य टर्न–की पर आवंटित है।

➢ बाँध निर्माण में दो नदियों का River Closure करना है। इसके अलावे बाँध निर्मित है। डैम आउटलेट एवं स्पिलवे अर्द्धनिर्मित है। ➢ बाँयीं मुख्य नहर की लम्बाई – 11.25 कि0मी0 है तथा दाँयीं मुख्य नहर की लम्बाई 14.83 कि0मी0 है। इनका भू–अर्जन हो गया है। लगभग 20–25% कार्य हुआ है। ➢ पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्रक्रियाधीन। ➢ योजना से प्रभावित भू–धारियों द्वारा, समीप के पंचखेरो जलाशय योजना के समतुल्य भू–मुआवजा भुगतान की माँग की जा रही है तथा कार्य स्थगित करा दिया गया है। भू–अर्जन न्यायालय के आदेश के विरूद्ध भू–धारियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में मामला दायर किया गया है जो विचारधीन है। न्यायादेश के फलाफल के आधार पर ही भू–मुआवजा सम्बन्धी कार्रवाई की जायेगी। ➢ वितरण प्रणाली का I.R स्वीकृत नहीं हुआ है फलस्वरूप भू–अर्जन की कार्रवाई नहीं हुई है।	योजना के द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति की कार्रवाई की जा रही है।

(III) गरही जलाशय योजना (जिला–चतरा, प्रखण्ड– टण्डवा)

- प्रशासनिक स्वीकृति की राशि – रू0 12163.625 लाख
- मार्च 2012 तक व्यय – रू0 6736.27 लाख (कार्य मद)
- वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आंवटन – शून्य

➢ इस योजना का निर्माण केवल एन0टी0पी0सी0 द्वारा निर्माणाधीन नार्थ कर्णपूरा पावर प्लान्ट को जलापूर्त्ति के लिये कराया जाना है। योजना से सिंचाई अथवा पेयजल का प्रावधान नहीं है। ➢ इस योजना को एन0टी0पी0सी0 द्वारा own कर लेने का अनुरोध ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार से किया गया है। ➢ योजना में भू–अर्जनवाद के कई मामले हैं। विभाग द्वारा इस योजना हेतु राशि नहीं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।	एन०टी०पी०सी० से पत्र प्राप्त हुआ हैं जिसमें अवशेष कार्य की राशि उनके द्वारा वहन करने की बात कही गयी है। विभाग के स्तर से मुख्य अभियंता, हजारीबाग से अवशेष कार्य की लागत राशि विस्तृत प्राक्कलन के बाद प्रतिवेदित करने का निदेश दिया गया है। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज०सं०वि०, हजारीबाग)**

(IV) तिलैया नहर सिंचाई योजना

योजना के कार्यान्वयन हेतु डी०पी०आर० तैयार करने का कार्य आवंटित कर दिया गया है। एकरारनामा दिनांक 25.04.2013 को कर लिया गया है। कार्य समाप्ति की अवधि तीन माह है। संवेदक द्वारा Inception Report जमा किया गया है। Survey कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है।	**निदेश** – संवेदक द्वारा समर्पित Inception Report के आलोक में विभाग में एक Presentation कराया जाय। साथ ही DPR हेतु नियुक्त सभी परामर्शी का Mitt rum Review भी प्रस्तुत किया जाय। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज०सं०वि०, हजारीबाग)**

(V) पूर्ण सिंचाई योजनायें :–

(i) बरही जलाशय योजना –

(ii) बक्सा जलाशय योजना –

(iii) अंजनवा जलाशय योजना –

(i) बरही जलाशय योजना के पुनर्स्थापन का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है। (ii) बक्सा जलाशय योजना के पुनर्स्थापन का प्राक्कलन विभाग में समर्पित कर दिया गया है। (iii) अंजनवा जलाशय योजना के पुनर्स्थापन का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है।	**निदेश** – (i) बक्सा जलाशय योजना के संबंध में एक Presentation दिया जाय, जिसमें योजना स्थल का Photograph/Video graph भी हो। (ii) बरही जलाशय योजना एवं अंजनवा जलाशय योजना के पुनर्स्थापन का प्राक्कलन 30 जून 2013 तक समर्पित किया जाय एवं विभाग में Presentation दिया जाय। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज०सं०वि०, हजारीबाग)**

2. **जलपथ प्रमण्डल, हजारीबाग**

(I) भैरवा जलाशय योजना (टर्न–की) **(जिला–रामगढ़, प्रखण्ड–गोला)**

- संवेदक – विजेता प्रोजेक्ट एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, मोराबादी, राँची।
- प्रशासनिक स्वीकृति की राशि – रू0 6727.20 लाख (दि0– 07.08.2007)
- मार्च 2012 तक व्यय – रू0 8692.31 लाख
- वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन – रू0 8.789 लाख (कोर्ट केश)
- वर्ष 2012–13 में व्यय – रू0 8.789 लाख

कार्य की स्थिति –	निदेश – भैरवा जलाशय योजना के पुनरीक्षित प्राक्कलन की प्रशासनिक स्वीकृति की संचिका अवलिम्ब प्रधान सचिव को उपस्थापित करने का निदेश दिया गया।
➢ योजना की सम्पूर्ण कार्य टर्न–की पर आवंटित है। ➢ River Closure छोड़कर डैम का कार्य पूर्ण है। डैम आउटलेट एवं स्पिलवे निर्मित है। ➢ बाँयीं मुख्य नहर की लम्बाई 15.64 कि0मी0 है तथा दाँयीं मुख्य नहर की लम्बाई 16.89 कि0मी0 है। इनका भू–अर्जन हो गया है। मुख्य नहरों का लगभग 60% का कार्य हुआ है। ➢ पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्रक्रियाधीन। ➢ वितरण प्रणाली का I.R स्वीकृत नहीं हुआ है।	इस संबंध में मुख्य अभियंता, हजारीबाग द्वारा प्रधान सचिव से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात कर निदेश प्राप्त किया गया। **(कार्रवाई : अभियंता प्रमुख–I)**

(II) सिवाने जलाशय योजना का डी0पी0आर0 तैयार करने का कार्य

(जिला–हजारीबाग, प्रखण्ड – कटकमसांडी)

- संवेदक – Aarvee Associates, Architects Engineers & Pvt Ltd, Hyderabad
- एकरारित राशि – रू0 89.00 लाख
- कार्य पूर्ण करने की एकरारित तिथि – 29.12.2012
- वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आंवटन रू0 –25.00 लाख
- मार्च 2013 तक व्यय – 25.00 लाख

कार्य की प्रगति –	निदेश –
(i) जमीनी सर्वेक्षण कार्य हो गया है। ग्रामिणों द्वारा कार्य अवरूद्ध किया जा रहा है। Dam Axis निर्धारित कर लिया गया है, परन्तु Foundation की जाँच हेतु Drilling का कार्य नहीं करने दिया जा रहा है।	(i) यह कार्य क्षेत्रीय विधायक की अनुशंसा पर प्रारंभ कराया गया है। ग्रामिणों द्वारा किये जा रहे विरोध से उन्हें अवगत कराया जाय और कार्य बिना बाधा के पूर्ण कराने हेतु उनसे सहयोग प्राप्त किया जाय तथा कार्य शीघ्र पूरा कराकर विभाग को सूचित किया जाय।
(ii) ग्रामिणों को समझाने – बुझाने के बावजूद वे	(ii) मुख्य अभियंता, हजारीबाग Review करें कि सर्वे

Drilling का कार्य नहीं करने दे रहे हैं।	का कौन–कौन कार्य हो गया है। अगर जमीन के उ का सर्वे कार्य पूरा हो गया है तो Hydrology ‍ प्रतिवेदन Final किया जाय। अब तक जो भी कार्य चुका है उसका Mid Term Review हेतु ए Presentation इस माह के अन्त तक प्रस्तुत कि जाय। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज0सं0वि0, हजारीबाग**

(III) दिपुगढ़ा कॉलोनी, हजारीबाग में डीप बोरिंग एवं भवनों के मरम्मति का कार्य –

वर्ष 2013–14 के वार्षिक कार्यक्रम में इसे शामिल किया गया है। मुख्य अभियंता, हजारीबाग द्वारा बतलाया गया कि कार्य का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है।	**निदेश** – अब तक प्राक्कलन समर्पित नहीं करने के कारण कार्यपालक अभियंता से स्पष्टीकरण पूछा जाय। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज0सं0वि0, हजारीबाग)**

(IV) पूर्ण सिंचाई योजनाएँ

(i) **बौधा जलाशय योजना** पुनर्स्थापन का प्राक्कलन तैयार कर विभाग में समर्पित कर दिया गया है। (ii) **गोलाई वीयर** के System में सुधरी डैम, वीयर के U/S में बना हुआ है, जिससे नाला होकर वीयर को पानी Feed किया जाता है। आवश्यक मरम्मति कार्य का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है। (iii) **लोटिया जलाशय योजना** के मुख्य नहर में 11 चेन के बाद पानी नहीं जाता है। यहाँ पर Aqueduct क्षतिग्रस्त है। पूरी योजना के पुनर्स्थापन कार्य का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है। (iv) लपसिया सिंचाई योजना से सिंचाई उपलब्धि काफी कम है। नहर में 11 चेन के बाद Aqueduct क्षतिग्रस्त है। इनके पुनर्स्थापन कार्य हेतु प्राक्कलन तैयार कराया जा रहा है।	**निदेश :–** (i) बौधा जलाशय योजना का प्राक्कलन विभाग में समर्पित है। स्थल निरीक्षण हेतु अधीक्षण अभियंता, मोनेटरिंग अंचल–2 को निदेशित किया गया है। (ii) जिन योजनाओं के सर्वेक्षण कार्य हेतु राशि की आवश्यकता है, उसके प्राक्कलन की राशि के साथ आवंटन की अधियाचना अविलम्ब भेजी जाय। (iii) योजनाओं के पुनर्स्थापन का प्राक्कलन विभाग को शीघ्र समर्पित किया जाय एवं योजनाओं से पूरी क्षमता में सिंचाई उपलब्ध कराने हेतु अविलम्ब आवश्यक कार्रवाई की जाय। (iv) प्राक्कलन प्राप्त होने पर सर्वे कार्य हेतु राशि शीघ्र release किया जाय। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज0सं0वि0, हजारीबाग/मुख्य अभियंता (मो०)**

(V) **मुख्य अभियंता, हजारीबाग कार्यालय एवं आवासीय भवन का निर्माण कार्य।**

➢ प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त है। ➢ मुख्य अभियंता द्वारा बताया गया कि कार्य आवंटित कर दिया गया है एवं कार्य प्रारम्भ हो गया है।	**निदेश** – कार्य का ससमय कार्यान्वयन सुनिश्चित की जाय। **(कार्रवाई :–मुख्य अभियंता, हजारीबाग)**

कोनार सिंचाई परियोजना (जिला–हजारीबाग, प्रखण्ड– विष्णुगढ़)

- ➢ प्रशासनिक स्वीकृति की राशि – रू0 34838.60 लाख
- ➢ मार्च 2012 तक व्यय – रू0 19128.14 लाख
- ➢ वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन – रू0 882.26 लाख
- ➢ जनवरी 2013 तक व्यय – रू0 676.19 लाख
- ➢ योजना की सिंचाई क्षमताः–खरीफ 54430.50 हे0, रब्बी–8520 हे0

वनभूमि अपयोजन – योजना में शामिल वन भूमि के अपयोजन का प्रस्ताव संबंधित वन प्रमण्डल हजारीबाग एवं गिरिडीह को समर्पित कर दिया गया है। **शीर्ष कार्य** – कोनार जलाशय डी0वी0सी0 द्वारा निर्मित है। **मुख्य नहर** की लम्बाई – 9.28 कि0मी0 (टनेल सहित)। टनेल के 1 कि0मी0 का कार्य शेष। अवशेष टनेल कार्य, कट एण्ड कवर, इनटेक स्ट्रक्चर, एप्रोच चैनल इत्यादि के कार्य की निविदा निष्पदान के उपरान्त एकरारनामा कर एजेन्सी को रू० 546.08 लाख का मोबलाईजेशन अग्रिम दिया गया है। ➢ **बाँयीं शाखा नहर** इसकी लम्बाई – 6.025 कि0मी0 है जिसका कार्य पूर्ण है। इस शाखा नहर से वितरणी नहीं निःसृत है। ➢ **दाँयीं शाखा नहर** की लम्बाई – 35.525 कि0मी0 है, जिसमें लगभग 60% कार्य हुआ है। 19.25 कि0मी0 तक कार्य लगभग पूर्ण है 19.25 से 21 कि0मी0 के बीच कार्य प्रगति पर है। 21 कि0मी0 के बाद नहर के कुछ भाग में Forest land है। ग्राम खरकट्टो में भू–अर्जन का भुगतान चल रहा है। ➢ **बगोदर शाखा नहर** की लम्बाई 41.16 कि0मी0	**निदेश** :– बगोदर शाखा नहर के कि0मी0 20.81 पर प्रभावित रेलवे पुल के निर्माण हेतु RITES से Offer प्राप्त हुआ है। IRCON से भी Offer प्राप्त किया जाय। तत्पश्चात् समीक्षोपरान्त किस Consultant से GAD एवं Design Drawing करना है, का प्रस्ताव दिया जाय। दिनांक 20.02.2013 की समीक्षात्मक बैठक में दिये गये निदेश का स्मरण दिलाते हुए पुनः कहा गया कि 20–81 कि०मी० पर के रेलवे पुल का निर्माण कार्य प्रारम्भ होने के पश्चात् ही इसके आगे के कार्यों के लिए नयी निविदायें में आमंत्रित की जाय। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज0सं0वि0, हजारीबाग)**

है जिसके 37.96 कि0मी0 तक कार्य लगभग पूर्ण है। इसमें अवशेष मिट्टी का कार्य एवं संरचनाओं का कार्य प्रगति में है। इस शाखा नहर के कि0मी0 20.81 पर रेलवे पुल का निर्माण किया जाना है। जिसके लिये रेलवे अधिकारियों से सम्पर्क किया गया है। उनके द्वारा GAD एवं Structural Design एवं Drawing कराने हेतु Rites एवं IRCON से सम्पर्क करने की सलाह दी गयी है।	

वितरण प्रणाली : योजना में कुल **26** वितरणी एवं **12** उप वितरणी (Minors) है।

➢ **बगरो वितरणी** की लम्बाई 18.30 कि0मी0 है जिसमें 13.50 कि0मी0 तक कार्य पूर्ण है। इसके आगे पूरी लम्बाई में मिट्टी कार्य प्रगति में है। संरचनाओं सहित 17.50 कि0मी0 तक का कार्य जून 2013 तक पूरा करा लिया जायेगा। ➢ दाँयीं शाखा नहर से निःसृत **खेतको वितरणी** (10. 90 कि0मी0) का कार्य लगभग पूर्ण है। कुछ शेष संरचनाओं का निर्माण कार्य प्रगति में है। ➢ **बाराघाट वितरणी** (3.50 कि0मी0) में 60% कार्य हुआ। शेष कार्य भू–अर्जन पूर्ण नहीं होने के कारण बाधित है। मुंडरो एवं बराई ग्राम के भू–स्वामियों द्वारा भू–मुआवजा नहीं लिया जा रहा है। भू–अर्जन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि पैसा RD में जमा कर दिया गया है। ➢ बगोदर शाखा नहर से निःसृत **बनपूरा वितरणी** (लम्बाई 5.70 कि0मी0) का कार्य लगभग पूर्ण है शेष बचे संरचनाओं का निर्माण कार्य प्रगति में है जो मार्च 2013 में पूरा हो जायेगा। चार वितरणियों का सर्वेक्षण कार्य कराया जा रहा है। **(I) कोनार नहर प्रमण्डल, डुमरी (कोनार सिंचाई परियोजना)** वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन– रू0 626.88 लाख	निदेश :– (i) परियोजना में सर्वप्रथम मुख्य नहर का एवं दोनों शाखा नहरों का कार्य पूर्ण कराने की प्राथमिकता दी जाय। वितरणियों एवं उपवितरणियों में एकरारित कार्य के अतिरिक्त नया कार्य नहीं करायी जाय। (ii) परियोजना के वैसे वितरणी/ उपवितरणी जिसका सर्वेक्षण अभी तक नहीं हुआ है, का सर्वेक्षण कराकर I.R. तैयार कराया जाय और तदनुसार भू–अर्जन हेतु आगे की कार्रवाई की जाय। **(कार्रवाई : अधीक्षण अभियंता, तेनुघाट बाँध अंचल, तेनुघाट)**

मार्च 2013 तक व्यय– रू0 484.13 लाख **(II) कोनार नहर प्रमण्डल, बगोदर (कोनार सिंचाई परियोजना)** वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन– रू0 190.95 लाख जनवरी 2013 तक व्यय– रू0 127.97 लाख **5. कोनार नहर प्रमण्डल, बनासो (कोनार सिंचाई परियोजना)** वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन – रू0 64.50 लाख नवम्बर 2012 तक व्यय– रू0 64.09 लाख	

6. तेनुघाट बाँध प्रमण्डल, तेनुघाट

(a) **तेनघाट शिविर के सड़क मरम्मति एवं P.C.C. सड़क निर्माण** –यह कार्य पूर्ण हो गया है। प्रशासनिक स्वीकृति रू0– 186.69 लाख (17.08.2012) वर्ष 2012–13 में आवंटन रू०–170.00 लाख मार्च 2013 तक व्यय – रू० 170.00 लाख (b) **तेनु बोकारो लिंक नहर के सेवापथ का मरम्मति एवं निर्माण कार्य** प्रशासनिक स्वीकृति रू0– 13.85 लाख वर्ष 2012–13 में आवंटन रू0–13.85 लाख जनवरी 2013 तक व्यय – रू० 13.755 लाख। कार्य पूरा हो गया है। (c) **गोवई बराज के पुनर्स्थापन कार्य** हेतु डी०पी०आर० तैयार हो गया है। जिसे विभाग में समर्पित कर दिया गया है। (d) **तेनुघाट आउटलेट के Emergency गेट के repair** हेतु EoI का प्रारूप विभाग से अनुमोदित हो गया है। (e) तेनुघाट निरीक्षण भवन को दुरूस्त करने का प्राक्कलन विभाग में समर्पित है। (f) **तेनुघाट डैम एवं स्पिलवे में आवश्यक मरम्मति कार्य** का प्राक्कलन तैयार हो गया है। जिसे Emergency गेट के EoI में सम्मिलित कर लिया गया है। (g) प्रमण्डल में Mechenical A.E./J.E. की आवश्यकता है।	**निदेश :–** (c) गोवई बराज योजना के पुनर्स्थापन कार्य का प्राक्कलन एवं नक्शा में आवश्यक सुधार हेतु मुख्य अभियंता, हजारीबाग को निदेशित किया गया। तत्पश्चात् ERM के अन्तर्गत इसके प्रशासनिक स्वीकृति की कार्रवाई की जायेगी। **कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज0 सं0 वि0, हजारीबाग / मुख्य अभियंता (मो0)** (d) अनुमोदित EoI के अनुसार निविदा आमंत्रण की कार्रवाई की जाय। (e) मुख्य अभियंता, हजारीबाग द्वारा समर्पित प्राक्कलन के सापेक्ष प्रशासनिक स्वीकृति की कार्रवाई की जाय। **(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज० सं० वि०, हजारीबाग / मुख्य अभियंता, मो०)**

अन्य विन्दु– नव नियुक्त कनीय अभियंताओं का प्रशिक्षण	निदेश दिया गया कि क्षेत्रीय स्तर पर 1 जुलाई से एक सप्ताह का Training दिया जाय् एवं कार्य स्थल का भी भ्रमण कराया जाय। इसके बाद विभाग के स्तर पर एक सप्ताह की Training दी जाय।

बैठक में दिये गये निदेश का अनुपालन प्रतिवेदन पन्द्रह दिनों के अन्दर विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

ह0/-
(बी0सी0 निगम)
विशेष सचिव

ज्ञापांक : 2/PMC/hbg-baithak-93/2012- रॉंची, दिनांक :

प्रतिलिपि : मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, हजारीबाग/मुख्य अभियंता यांत्रिक, जल संसाधन विभाग, रॉंची/संयुक्त सचिव (अभि॰)जल संसाधन विभाग, रॉंची/अधीक्षण अभियंता, जलपथ अंचल, हजारीबाग/अधीक्षण अभियंता, तेनुघाट बॉंध अंचल, तेनुघाट/अधीक्षण अभियंता, योजना एवं मोनिटरिंग अंचल–1, 2 एवं 3 जल संसाधन विभाग रॉंची/विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी, हजारीबांग को सूचनार्थ एवं अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु प्रेषित। (email से)

ह0/-
(अशोक कुमार)
मुख्य अभियंता (मो0)

ज्ञापांक :– 2/PMC/baithak-93/2010- रॉंची, दिनांक :–

प्रतिलिपि :माननीय राज्यपाल के सलाहकार (जल संसाधन विभाग)के विशेष कार्य पदाधिकारी/प्रधान सचिव, जल संसाधन विभाग के सचिव/विशेष सचिव, जल संसाधन विभाग के निजी सहायक/अभियंता प्रमुख–I , जल संसाधन विभाग, रॉंची के निजी सहायक को सूचनार्थ एवं अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0/-
(अशोक कुमार)
मुख्य अभियंता (मो0)

ज्ञापांक :– 2/PMC/baithak-93/2010- 536 रॉंची, दिनांक :–25.6.2013

प्रतिलिपि :वेब मैनेजर, वेबसाइट जल संसाधन विभाग, रॉंची को सूचनार्थ एवं विभागीय वेबसाइट पर Up load करने हेतु प्रेषित।

25/6/2013
(अशोक कुमार)
मुख्य अभियंता (मो0)